भ्रामक समाचार, हल्ला आ अफवाहसभसँ जेना जनजिवन अस्त व्यस्त बनेने छलै, अखन कोरोना भाईरसके महामारीके अवस्था सेहो तेहने छैक । हमसभ् मिलक एकर निराकरणमे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह क सकैत छी । एहिके लेल अपनासभके विश्वसनिय आ श्रोत खुलल सहि सूचना निर्णायक तहतक प्रवाह क सकैत छी ।

Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

स्वास्थ्यकर्मीहरुले सुरक्षा गियर लगाएर काठमाडौंको गल्लीमा कीटाणुनाशक स्प्रे गर्दै
तस्बिर: APF

तपाईको परिवारमा जेष्ठ नागरिक हुनुहुन्छ ? पूर्व तयारी के गर्ने ?

१. संकटमा सहयोग गर्न सक्ने व्यक्ति, संस्था वा सेवा प्रदायक र यसका नेटवर्क बारे जानकारी राख्ने।

२. नजिकको स्वास्थ्य संस्था वा वडा अध्यक्षको सम्पर्क नम्बर सुरक्षित राख्ने।

३. नजिकको एम्बुलेन्स सेवा सम्बन्धी जानकारी राख्ने।

४. स्वास्थ्य सम्बन्धी हटलाईन नम्बर १११३३ र १११५ याद राख्ने।

५. संक्रमणको लक्षण देखा परेमा वा संक्रमण भईहालेमा कसले के गर्ने भनेर भुमिका बाँडफाँड गर्ने।

माथी उल्लेख गरिएका महत्वपूर्ण कुरामा ध्यान दिनुहोस् । यसरी तयारी गर्दा तपाईको परिवारको सदस्य बिरामी पर्दा अलमलमा पर्नु पर्दैन ।

हल्ला र तथ्य

सरकार निजि तथा गैर सरकारी संस्थाके सूचना प्रवाह करवला मोबाईल Apps बनाब रोक लगेलक कहैत अछि ने ।

कोभिडसँ सम्बन्धित विवरण स्थानीय स्तरमे संकलन कए ओकर प्रतिवेदन जिला, प्रदेश आ संघिय सरकारके निकायमे सहजता लायबाक उद्देश्यसँ "विपद व्यवस्थापन सूचना प्रणाली" विकास कए स्थानीय स्तरमे एहिके कार्यान्वयन भरहल अछि । कतेको गैर सरकारी संस्थासभ एहने प्रकारके Software विकास कल सञ्चालनमे आनलासँ, स्रोत साधनमे दोहोरापन हैतै, सूचनामे विविधता आ अविश्वसनियता बढतै तै नेपाल सरकार सरोकारवाला निकायके एहन Apps आ Software प्रयोग नहिकर निर्देशन देलक अछि ।

लकडाउनके समयमे सरकार घरघरमे खाना पुगाओत कहैत छल, बात मात्रे छै कि काज सेहो भरहल छै ?

अखुनका विषम परिस्थितिमे साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरेशन लिमिटेड अत्यावश्यक खाद्य वस्तुसभ घुम्ती सेवा दोकानके माध्यमसँ पालिकासभके आग्रह समेतके ध्यानमे राईसक बिक्रि वितरण कएरहल अछि । यदि कोनो टोल/क्षेत्रमे जरुरत पइलापर साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरेशन लिमिटेडके सेवाके लेल आग्रह करए सकैत छी ।

आब सब होटलसभ बन्द हैतै कहादुन् । ओतए काज करवला कर्मचारीसभके व्यवस्थापन केना हैतै ?

होटल संघ नेपाल बइका होटलसभ ६ महिनाके लेल बन्द करएके निर्णय कएने अछि । कामदारके मेहनतानाके हकमे सरकार लकडाउनके अवधिभैर ५०% तुरन्त आ बाँकी ५०% के लेल बैंकसँ सहुलियत व्याजदरमे ऋण लेब सकैत अछि कहने छल । लेकिन, होटल संघ कर्मचारीके ६ महिनातकके आधारभुत तलबके १२.५% मात्रे देबके निर्णय कएने अछि । अपन निर्णयमे असहमत कर्मचारीके श्रम ऐन अनुसार सूचना दएक कर्मचारी कटौती करके निर्णय कएने अछि ।

सरकार कोनो कोनो स्थानमे लकडाउन कम करके निर्णय करलक कहादुन ।

सरकार आबके लकडाउनके प्रारुप केहन हैतै कहि ओकर मापदण्ड बनाबके गृहकार्य करलाक बावजुद कोनो ठोस निर्णय ललेने अवस्था नहि अछि । स्वास्थ्य सम्बन्धि तथ्यांक आ वैज्ञानिक विश्लेषणके आधारमे क्षेत्र निधारण कए रणनीति बनाएब कहि सरकार एहिसँ पहिले हि जनौने छल ।

सूचनाका स्रोतहरु

नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय कोरोना भाईरस रोग (COVID – 19) सम्बन्धी स्वास्थ्य क्षेत्रको प्रतिकाय

जोन्स् होपकिन्स् कोरोना भाइरस स्रोत केन्द्र

स्वास्थ्य र जनसंख्या मन्त्रालय

कोरोना कोष सञ्चालन निर्देशिका, २०७६

कोभिड(१९ को अवस्थाअ

कृषि तथा पशुपंछी विकास मन्त्रालय

नेपाल श्रम शक्ति सर्वेक्षण

सुरक्षित हुन के गर्ने

प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय

accountabilitylab NEPAL

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमे रहल नेपाली कामदार

साउदी अरब	कुवेत	बहराईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,५२,६६७ नेपाली	८२,६३० नेपाली	२८,२७६ नेपाली	४,३७,००९ नेपाली	२,३१,०८८ नेपाली	८,२५० नेपाली	४,६९,१३१ नेपाली	५३,६९१ नेपाली
२७,०११ संक्रमित	४,९८३ संक्रमित	३,३५६ संक्रमित	१५,५५१ संक्रमित	१४,१६३ संक्रमित	२,५६८ संक्रमित	६,२९८ संक्रमित	१०,८०१ संक्रमित
४ नेपाली संक्रमित	८४ नेपाली संक्रमित	४९ नेपाली संक्रमित	२ नेपाली संक्रमित	७१ नेपाली संक्रमित		३ नेपाली संक्रमित	

ShramikSanjal

श्रमिक द्वारा #ghar_jana_pau "घर जाय पावीं" अभियान को सुरुवात

प्रदेशमे रहल हजारौं कामदारसभ देशमे भेल लकडाउनके समस्यासँ अप्पन देश आवए नहि पौने अछि। विशेष कल जे एहन पिडामा अछि हुनकासभके लेल कोरोना भाईरससँ सेहो बइका समस्या खेनाई आ रहएके भेल अछि ।

एहन पिडामे पइल कामदारसभ:

- कम्पनी कामसँ निकालन गेल ।
- अपने कामसँ राजिनामा दए घर जाएलेल ठिक परल।
- कम्पनीये बन्द भलक रोजगार गुमाओल ।
- कम्पनीसँ लम्बा समयके लेल अपने देशमे जालक बेतलबी छुटीमे रहि, काम शुरु भेलाके बाद फोन करब कहने ।
- भिजिट भिषामे भेल लेकिन, भिषाके समयावधी खतम् भगेल, पैसा सेहो खतम भगेल आ खाय रहमे समस्या।
- कम्पनीसँ तलब कटौती करलासँ अपन परिवारके नेपाल फिर्ता लाबए चाहने कामदारसभ ।
- कोरोना बाहेक आओर बहुतो रोग लागल सम्बन्धित देशमे ईलाज करेनाई सेहो बहुत महंगा हेतै आ मेडिकल कार्ड सेहो नहि भेलसभ ।

एहन समस्यामे पइल कामदार एहि समयमे अपने घर आब चाहैत अछि । एहि बातके मध्येनजर करैत, समस्यामे पइल कामदारके देश फिर्ता आब देबके वातावरण बनावए सरकारके दवाव देबके उदेश्यके साथ कामदार सञ्जालके पहलमे आओर द्व टा संस्थासभ(CMIR, LAPSOJ, Equidem Research, Samata Foundation) मिलक कामदारसभके आवाजके आगु लाबैला एकटा अभियान शुरु कएने अछि, "घर जाय पावी" #ghar_jana_pau

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी

संघिय सरकार

तीन वेर कएक नेपाल सरकार
अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याओल
करिब १ अर्व ४८ करोड
कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण,
रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमे जम्मा
करिब २ अर्व १६ करोड

कोरोना भाईरस विरुद्धके गतिविधिमे
नेपाल सरकार कएने खर्च
करिब १ अर्व ५० करोड

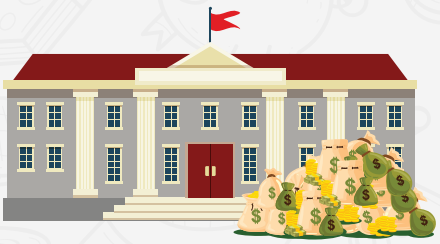

जम्मा | खर्च

दातृसंस्था

ए.डि.बि.
करिब ७ अर्व २० करोड

विश्व बैंक
करिब ३ अर्व ४८ करोड

आई.एम.एफ.
करिब १३ अर्व ९ करोड

युरोपियन युनियन
करिब ९ अर्व ८० करोड

प्रदेश	जम्मा रकम	खर्च गरिएको रकम	बाँकी रकम
प्रदेश १	करिब २८ करोड ८२ लाख	करिब १२ करोड ६ लाख	करिब १६ करोड ७६ लाख
प्रदेश २	६१ करोड	१७ करोड ७० लाख	४३ करोड ३० लाख
बागमती प्रदेश	४० करोड	१२ करोड ३२ लाख	१७ करोड ७५ लाख
गण्डकी प्रदेश	करिब १५ करोड	९ करोड २० लाख	५ करोड ८० लाख
प्रदेश ५	२३ करोड ६० लाख	१३ करोड ६० लाख	१० करोड
कर्णाली प्रदेश	५० करोड	१३ करोड २० लाख	३६ करोड ८० लाख
सुदुरपश्चिम प्रदेश	करिब ४० करोड २७ लाख	२० करोड १९ लाख	२० करोड ८ लाख

नोट: ई विवरण पूर्ण नहि अछि। उपलब्ध माध्यमसँ संकलित कए राखल गेल अछि ।
आओर सही तथ्यांक संकलन कए परिमार्जन करैत जाएब ।

संक्रमण रोकथाम तथा नियन्त्रणका लागि स्वास्थ्य संस्थामा फोहोर व्यवस्थापन

कोरोनाके शंकास्पद आ संक्रमित बिमारीके ईलाजके क्रममे निकलल गन्दगी व्यवस्थापन कर सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय, स्वास्थ्य विज्ञान विभागद्वरा तयार कएलगेल "स्वास्थ्य सेवा गन्दगी व्यवस्थापन निर्देशिका २०१४" अनुसार भरहल अछि । जाहि अनुसार ईलाजके क्रममे निकलल् सबतरहके गन्दगीके संक्रमणयुक्त गन्दगी गणना करए पइत ।

संक्रमण युक्त गन्दगी व्यवस्थापन करएवला किछु महत्वपूर्ण बुँदासभ

- गन्दगी व्यवस्थापनमे संलग्न व्यक्तिके पिपिइके प्रयोग करब जरुरी अछि । जाहिमे चश्मा, चेहरा झापवला कभर, सर्जिकल मास्क, मोटे पञ्जा, गाउन, पाईनसँ बचाववला एप्रोन आ गमबुट भेनाई जरुरी छै ।

- संक्रमण युक्त गन्दगीके आरो गन्दामे नै मिलेनाई आ यथा सम्भव संक्रमणयुक्त गन्दाके मात्रा कम करके प्रयास करब ।

- संक्रमण युक्त गन्दा राखवला झोरा तथा कन्टेनरमे संक्रमण युक्त गन्दाके लेल प्रयोग होबवला अन्तरराष्ट्रिय मान्यता प्राप्त संकेत चिन्ह प्रयोग करब ।

- संक्रमण युक्त गन्दाके अलग्गे ट्रलीमे राईखक ढुवानी करब।

- मापदण्ड अनुसार गन्दगीके व्यवस्थित रुपमे प्याकेजिङ करब, लेबलिङ करब आ सुरक्षित तरिकासँ तोकल गेल ल्याण्ड फिल साईट तक पुगेवाक जिम्मेवारी सम्बन्धित गन्दगी उत्पादक स्वास्थ्य संस्थाके हेतै ।

- संक्रमण युक्त गन्दाके मान्यता प्राप्त उपचार विधिके प्रयोग कए व्यवस्थापन कर परैत अछि । एकवेर अलग कलेलाके बाद ओही अनुसार गन्दगीके नष्ट करए परैत अछि ।

- सामान्यतया, संक्रमण युक्त गन्दगी नष्ट कर अटोक्लेभ्स्, निसंक्रमण करएवला रसायन, सेनिटरी ल्याण्डफिल्डके प्रयोग करए परैत अछि ।

सही सूचना

कमे संख्यामे संक्रमित स्त्रीसभ कोभिड-१९ के परिक्षणमे लैङगिक आधारके ध्यान देबए वला बातके जोइ देने अछि ।

कोभिड - १९ संक्रमितको लिङ्ग र उमेर समुह

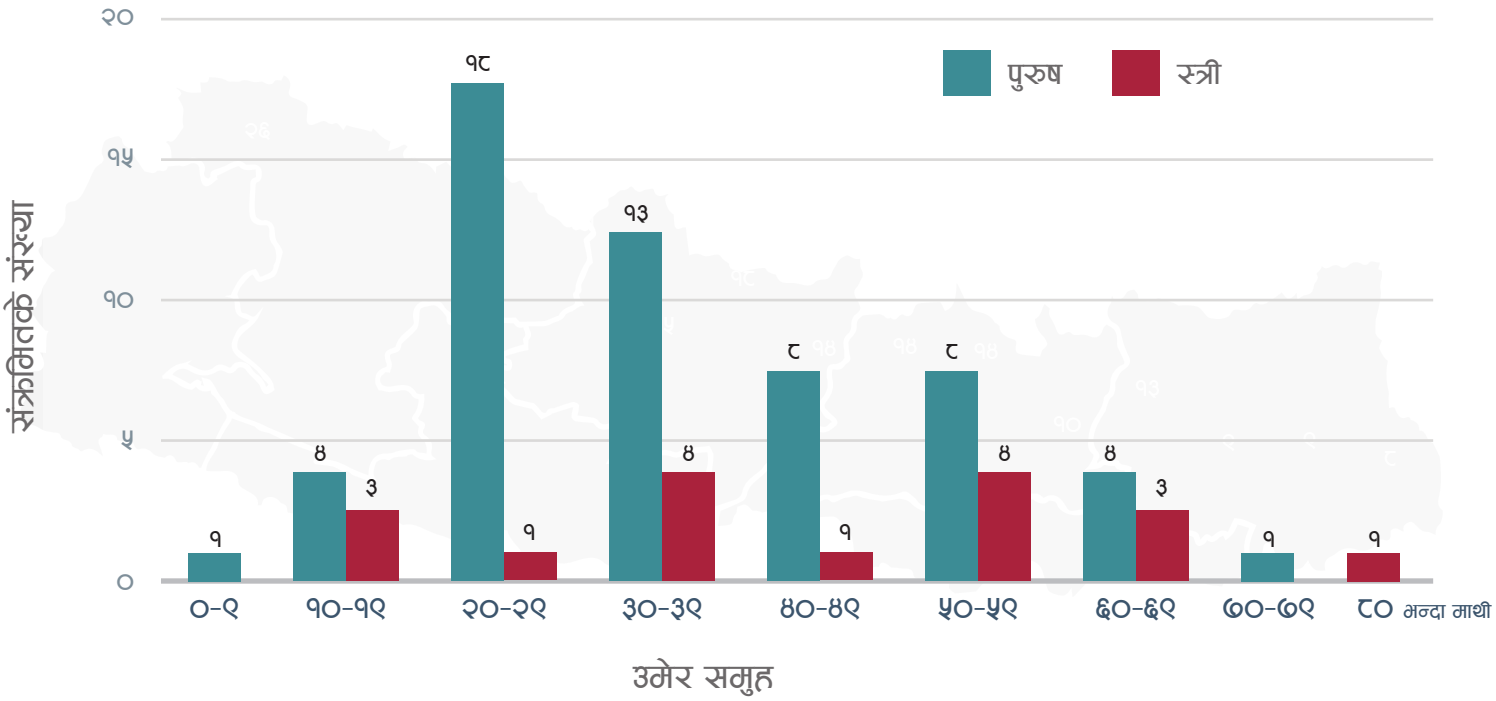

उपरका ग्राफसँ नेपालमे बहुतो उमेर समुहमे कोभिड-१९ सँ संक्रमितके संख्या देखाबैत अछि । एतय ध्यान देबएवला प्रमुख बात कहब त हरेक उमेर समुहमे संक्रमित पुरुषके संख्या स्त्रीके संख्यासँ तीन गुणा बेसी अछि । एहिके आधारमे आब ध्यान देबए पइत कहबै त, १) उदयपुर आ बाँकेके नेपालगञ्जमे कमे संख्यामे स्त्रीसभके परिक्षण भेल होबए सकैत अछि या, २) नेपालमे वैदेशिक रोजगारीसँ आयलमे बिमारीके संक्रमण बेसी छै, नेपालके सन्दर्भमे वैदेशिक रोजगारीमे जायवला स्त्रीके संख्या कमे छै । जे किछु होई परिक्षण करएकाल लैङगिक आधारके ध्यान देनाई जरुरी अछि । दोसर महत्वपूर्ण बात जे, विदेशसँ आबएवला परिवारके सम्पर्कमे आबए नहि दल सिधे क्वारेन्टाईनमे पठाएबके प्रभाव सेहो भसकैत अछि ।

नोट: ई ग्राफमे हालतक पता लागल कोभिड-१९ प्रभावित ७५ कोई मे सँ ७४ कोईके समावेश कयलगेल अछि ।

एहि अंकमे समेटल गेल हल्ला, सवाल एवम् सूचनासभ, बहुतो संस्था, व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, आ सिभिक एक्सन टिम एहि अप्रिल महिना भितर २००० सं बेसी व्यक्तिसभसंगेके संवादसं संकलन कएलगेल छैक । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दएक हल्ला, सवाल एवम् जिज्ञासासभक चयन कएलगेल अछि । एहि अंकमे समेटल गेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल तिथितक सत्य अछि।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal**.

accountabilitylab communities